

॥ शिव पञ्चाक्षर नक्षत्रमाला स्तोत्रम् ॥

श्रीमदात्मने गुणैकसिद्धये नमः शिवाय
धामलेशधुतकोकवक्त्रे नमः शिवाय .
नामशेषितानमन्तारान्त्रे नमः शिवाय
पामरेतरप्रधानवक्त्रे नमः शिवाय .. १..
कालतीतविप्रबालपाल ते नमः शिवाय
शूलभिन्नदुष्टदक्षफाल ते नमः शिवाय .
मूलकारणाय कालकाल ते नमः शिवाय
पालयाधुना दयालबाल ते नमः शिवाय .. २..
इष्टवस्तुमुखादानहेतवे नमः शिवाय
दुष्टदैत्यवशधुमकेतवे नमः शिवाय .
सृष्टिरक्षणाय धरमसेतवे नमः शिवाय
अष्टमुरतये वृषेन्द्रकेतवे नमः शिवाय .. ३..
आपदद्रिभेदटङ्कहस्त ते नमः शिवाय
पापहारिदिवयसिन्धुमस्त ते नमः शिवाय .
पापदारिणे लसन्नमस्तते नमः शिवाय
शापदोषखण्डनप्रशस्त ते नमः शिवाय .. ४..
बेयामकेश दिव्यभयरूप ते नमः शिवाय
हेममेदिनीधरेन्द्रचाप ते नमः शिवाय .
नाममात्रेदग्धसररपाप ते नमः शिवाय
कामनैकतानहृद्दुराप ते नमः शिवाय .. ५..
ब्रह्ममस्तकाबलीनिवन्ध ते नमः शिवाय
जिह्मगेन्द्रकुण्डलप्रसिद्ध ते नमः शिवाय .
ब्रह्मणे प्रणीतवेदपद्धते नमः शिवाय
जिह्मकालदेहदत्तपद्धते नमः शिवाय .. ६..
कामनाशनाय शुद्धकरमणे नमः शिवाय

সামগানজায়মানশরমণে নমঃ শিৰায় .
হেমকান্তিচাকচকৰমণে নমঃ শিৰায়
সামজাসূরাঙ্গলব্ধচরমণে নমঃ শিৰায় .. ৭..
জন্মমৃত্যুঘোরদুঃখহারিণে নমঃ শিৰায়
চিন্মযৈকরূপদেহধারিণে নমঃ শিৰায় .
মন্মনোরথাৰপূৰিতকারিণে নমঃ শিৰায়
সন্মনোগতায় কামৰৈরিণে নমঃ শিৰায় .. ৮..
যক্ষরাজবন্ধৰে দয়ালৰে নমঃ শিৰায়
দক্ষপাণিশোভিকাঞ্চনালৰে নমঃ শিৰায় .
পাক্ষিৰাজৰাহহৃচ্ছ্যালৰে নমঃ শিৰায়
অক্ষিফাল বেদপুততালৰে নমঃ শিৰায় .. ৯..
দক্ষহস্তনিষ্ঠজাতবেদসে নমঃ শিৰায়
অক্ষরাঅনে নমদ্বিডোজসে নমঃ শিৰায় .
দীক্ষিতপ্রকাশিতাত্মতেজসে নমঃ শিৰায়
উক্ষরাজৰাহ তে সতাং গতে নমঃ শিৰায় .. ১০..
রাজতাচলেन्द्रসানুৰাসিনে নমঃ শিৰায়
রাজমাননিত্যমন্দহাসিনে নমঃ শিৰায় .
রাজকোরকাৰতংসভাসিনে নমঃ শিৰায়
রাজরাজমিত্ৰতাপ্রকাশিনে নমঃ শিৰায় .. ১১..
দীনমানবালিকামধেনৰে নমঃ শিৰায়
সুনবাণদাহকৃষ্ণশানৰে নমঃ শিৰায় .
স্বানুরাগভক্তরত্নসানৰে নমঃ শিৰায়
দানবান্ধকরচণ্ডভানৰে নমঃ শিৰায় .. ১২..
সরবমঙ্গলাকুচাগ্রশায়িনে নমঃ শিৰায়
সরবদেবতাগণাতিশায়িনে নমঃ শিৰায় .
পুরবদেবনাশসংবিধায়িনে নমঃ শিৰায়

সরবমন্মনোজভঙ্গদাযিনে নমঃ শিৰায় .. ১৩..
স্তোকভক্তিতোপি ভক্তপোষিণে নমঃ শিৰায়
মাকরন্দসারবরিষভাষিণে নমঃ শিৰায় .
একবিল্বদানতোপি তোষিণে নমঃ শিৰায়
নৈকজন্মপাপজালশোষিণে নমঃ শিৰায় .. ১৪..
সরবজীবরক্ষণৈকশীলিনে নমঃ শিৰায়
পারবতীপ্রিয়ায় ভক্তপালিনে নমঃ শিৰায় .
দুরিষদগন্ধদৈত্যসৈন্যদারিণে নমঃ শিৰায়
শরবরীশধারিণে কপালিনে নমঃ শিৰায় .. ১৫..
পাহি মামুমামনোভঞ্জেদেহ তে নমঃ শিৰায়
দেহি মে বরং সিতাদ্রিগেহ তে নমঃ শিৰায় .
মোহিতরিষকামিনীসমূহ তে নমঃ শিৰায়
শ্বেবহিতপ্রসন্ন কামদোহ তে নমঃ শিৰায় .. ১৬..
মঙ্গলপ্রদায় গোটুরংগ তে নমঃ শিৰায়
গঙ্গয়া তরঙ্গিতোত্তমাঙ্গ তে নমঃ শিৰায় .
সঙ্গরপ্রবৃত্তবৈরিভঙ্গ তে নমঃ শিৰায়
অঙ্গজারয়ে করেকুরঙ্গ তে নমঃ শিৰায় .. ১৭..
ঐহিতক্ষণপ্রদানহেতবে নমঃ শিৰায়
আহিতান্নিপালকোক্ষকেতবে নমঃ শিৰায় .
দেহকান্দিধুতরৌপ্যধাতবে নমঃ শিৰায়
গেহদুঃখপুঞ্জধুমকেতবে নমঃ শিৰায় .. ১৮..
অর্যক্ষ দীনসত্ৰুপাকটাক্ষ তে নমঃ শিৰায়
দক্ষসপ্ততন্তনাশদক্ষ তে নমঃ শিৰায় .
ঋক্ষরাজভানুপাবকাক্ষ তে নমঃ শিৰায়
রক্ষ মাং প্রপন্নমাত্ররক্ষ তে নমঃ শিৰায় .. ১৯..
ন্যঙকুপাণয়ে শিবংকরায় তে নমঃ শিৰায়

সংকটাব্ধিতীৰ্ণকিংকরায় তে নমঃ শিৰায় .
কঙকতীঘিতাভয়ংকরায় তে নমঃ শিৰায়
পঙকজাননায় শংকরায় তে নমঃ শিৰায় .. ২০..
করমপাশনাশ নীলকন্ঠ তে নমঃ শিৰায়
শরমদায় নর্যভস্মকন্ঠ তে নমঃ শিৰায় .
নিরমমরিষসেবিতোপকন্ঠ তে নমঃ শিৰায়
কুরমহে নতীরনমদিবকন্ঠ তে নমঃ শিৰায় .. ২১..
ষিষ্টপাধিপায় নম্ৰিষ্ণবে নমঃ শিৰায়
শিষ্টবিপ্রহ্নুহাচরিষ্ণবে নমঃ শিৰায় .
ইষ্টবস্তুনিত্যতুষ্টজিষ্ণবে নমঃ শিৰায়
কষ্টনাশনায় লোকজিষ্ণবে নমঃ শিৰায় .. ২২..
অপ্রমেযদিবযসুপ্রভাৰ তে নমঃ শিৰায়
সত্ৰপ্পন্নরক্ষণস্বভাৰ তে নমঃ শিৰায় .
স্বপ্রকাশ নিস্তুলানুভাৰ তে নমঃ শিৰায়
বিপ্রজিহ্মদিবযতাব্ধভাৰ তে নমঃ শিৰায় .. ২৩..
সেবকায় মে ম্ৰুড প্রসীদ তে নমঃ শিৰায়
ভাৰলভ্য তাৰকপ্রসাদ তে নমঃ শিৰায় .
পাৰকাঙ্ঘ দেবপূজ্যপাদ তে নমঃ শিৰায়
তৰকাঙ্ঘিষ্ণভক্তদত্তমোদ তে নমঃ শিৰায় .. ২৪..
ভুক্তিমুক্তিদিবযভোগদায়িনে নমঃ শিৰায়
শক্তিকল্পিতপ্রপঞ্চভাগিনে নমঃ শিৰায় .
ভক্তসংকটাপহারযোগিনে নমঃ শিৰায়
যুক্তসন্মনঃসরোজযোগিনে নমঃ শিৰায় .. ২৫..
অনুকান্তকায় পাপহারিণে নমঃ শিৰায়
শান্তমায়দন্তিচরমধারিণে নমঃ শিৰায় .
সংততাপ্রিতৰযথাবিদারিণে নমঃ শিৰায়

जन्तुजातनित्यसोऽख्यकारिणे नमः शिवाय .. २७..
शूलिने नमो नमः कपालिने नमः शिवाय
पालिने विरिञ्चितुगुमालिने नमः शिवाय .
लीलिने विशेषरुगुमालिने नमः शिवाय
शीलिने नमः प्रपुण्यशालिने नमः शिवाय .. २९..
शिवपञ्चाक्षरमुद्रां
चतुष्पदोल्लासपदमणिघटिताम .
नक्षत्रमालिकामिह
दधदुपकण्ठं नरो भवेत्सामः .. २८..
इति श्रीमत्परमहंसपरिवराजकाचार्यस्य
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य
श्रीमच्छंकरभगवतः कृतौ
शिवपञ्चाक्षरनक्षत्रमालास्तोत्रं संपुरणम् ..

Encoded by Sridhar-Seshagiri seshagir@egr.msu.edu

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com